Regarding development of tourism sector in Keonjhar, Odisha

श्री अनन्त नायक (क्योंझर) : माननीय सभापति महोदय, मैं इस सदन के माध्यम से ओडिशा के क्योंझर जिले में पर्यटन के विकास की आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ । क्योंझर जिला अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध है । इससे लगभग 150 किलोमीटर दूर 22 ऐसे नेचुरल स्पॉट हैं, जिनको डेवलप किया जा सकता है । वहां मां तारिणी टेम्पल, जहां पर जगन्नाथ महाप्रभु के बाद सबसे ज्यादा श्रद्धालु आते हैं । इसके साथ में सीताबिनजी स्थल है, जिसका रामायण के साथ संबंध है । वह एएसआई के अंडर में है । वहां भीमकुंड है, जिसका संयोग महाभारत के समय से है । इसके साथ-साथ वहां पुराना मंदिर, बाराहटिपुरा का मंदिर भी ऐसा ही है, कुसड़ेश्वर महादेव, बरहातीपुरा महादेव, मुर्गा महादेव मंदिर है । वहां पर बैतरणी नदी निकलती है, जो ओडिशा में गंगा नदी के बाद पवित्र मानी जाती है । इसके साथ-साथ सानघागरा, गुंडीचाघाई, हांडीभांगा, बड़ाघागरा, खंडाधार, टेंटेईनाल, गिरीडीहबंद, कैंझर जैसे नौ वाटर फॉल भी वहां पर हैं । इसके इसके साथ-साथ कुछ पिकनिक स्पॉट्स हैं ।

सभापति महोदय, वहां बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है और प्रचार-प्रसार के अभाव में उस पर्यटन स्थल का सही विकास नहीं हो पा रहा है । ? (व्यवधान) यदि इस क्षेत्र का सही विकास किया जाए तो स्थानीय अर्थव्यवस्था सशक्त हो जाएगी । ? (व्यवधान)